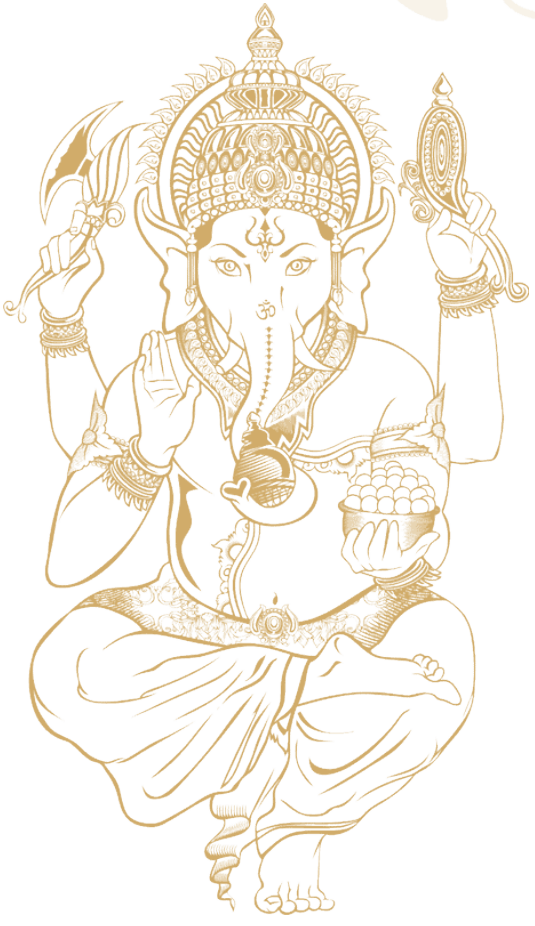

Pushkar

01 Apr 2026

08:47 PM

Neemuch

Model: web-freekundliweb

Order No: 121795304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:47:00 घंटे**
इष्ट	36:00:57 घटी
स्थान	**Neemuch**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:27:00 उत्तर
रेखांश	74:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:16:44 घंटे
वेलान्तर	-00:03:54 घंटे
साम्पातिक काल	08:56:43 घंटे
सूर्योदय	06:22:37 घंटे
सूर्यास्त	18:46:09 घंटे
दिनमान	12:23:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:40:44 मीन
लग्न के अंश	15:29:47 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:29:47	317:46:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	17:40:44	00:59:11	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	12:22:44	12:41:18	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	29:23:26	00:46:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			कुंभ	20:01:16	00:52:45	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	21:35:51	00:04:01	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	08:12:00	01:13:51	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:24:05	00:07:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:30:29	00:03:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:30:29	00:03:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:33:47	00:02:38	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:00:09	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	11:00:03	00:00:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	17:29:47	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

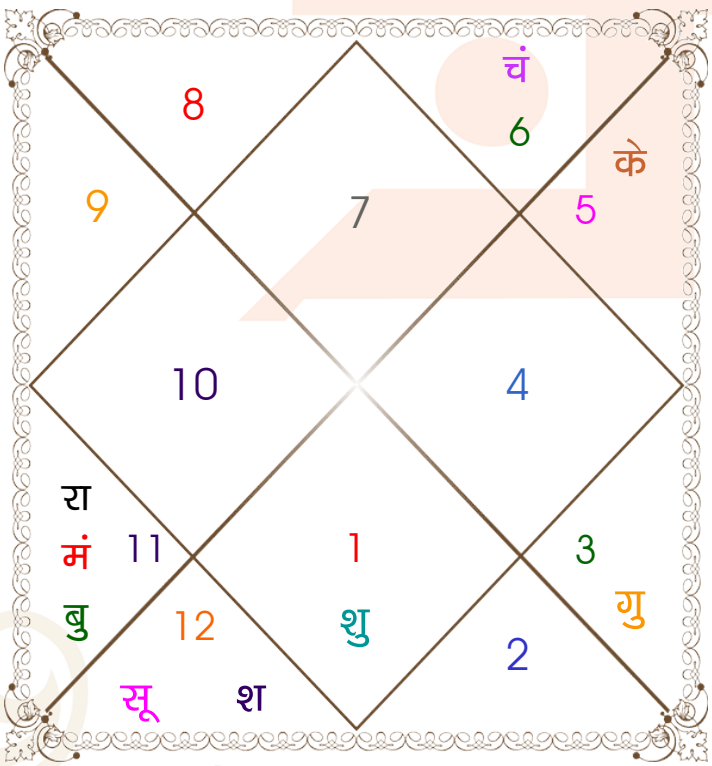

चन्द्र कुंडली

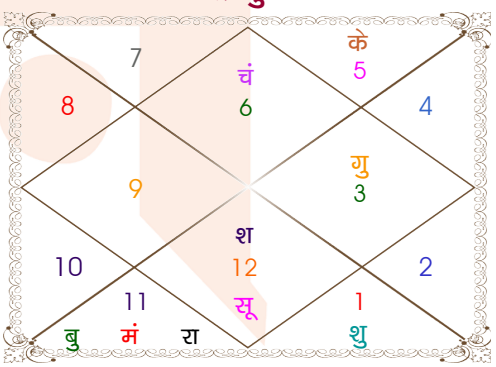

नवमांश कुंडली

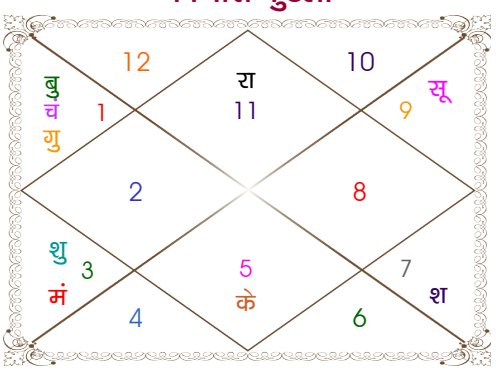

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 2 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/04/2026		19/06/2034		19/06/2041		19/06/2059		19/06/2075	
19/06/2034		19/06/2041		19/06/2059		19/06/2075		19/06/2094	
	00/00/0000	मंगल	15/11/2034	राहु	01/03/2044	गुरु	07/08/2061	शनि	22/06/2078
	01/04/2026	राहु	04/12/2035	गुरु	26/07/2046	शनि	18/02/2064	बुध	01/03/2081
राहु	20/05/2027	गुरु	09/11/2036	शनि	01/06/2049	बुध	26/05/2066	केतु	10/04/2082
गुरु	18/09/2028	शनि	19/12/2037	बुध	19/12/2051	केतु	02/05/2067	शुक्र	10/06/2085
शनि	19/04/2030	बुध	16/12/2038	केतु	06/01/2053	शुक्र	31/12/2069	सूर्य	23/05/2086
बुध	19/09/2031	केतु	14/05/2039	शुक्र	06/01/2056	सूर्य	19/10/2070	चंद्र	22/12/2087
केतु	19/04/2032	शुक्र	13/07/2040	सूर्य	30/11/2056	चंद्र	18/02/2072	मंगल	30/01/2089
शुक्र	19/12/2033	सूर्य	18/11/2040	चंद्र	01/06/2058	मंगल	24/01/2073	राहु	07/12/2091
सूर्य	19/06/2034	चंद्र	19/06/2041	मंगल	19/06/2059	राहु	19/06/2075	गुरु	19/06/2094

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/06/2094		20/06/2111		20/06/2118		20/06/2138		20/06/2144	
20/06/2111		20/06/2118		20/06/2138		20/06/2144		00/00/0000	
बुध	15/11/2096	केतु	17/11/2111	शुक्र	20/10/2121	सूर्य	08/10/2138	चंद्र	20/04/2145
केतु	12/11/2097	शुक्र	16/01/2113	सूर्य	20/10/2122	चंद्र	08/04/2139	मंगल	19/11/2145
शुक्र	13/09/2100	सूर्य	24/05/2113	चंद्र	20/06/2124	मंगल	14/08/2139	राहु	02/04/2146
सूर्य	20/07/2101	चंद्र	23/12/2113	मंगल	20/08/2125	राहु	08/07/2140		00/00/0000
चंद्र	20/12/2102	मंगल	21/05/2114	राहु	20/08/2128	गुरु	26/04/2141		00/00/0000
मंगल	17/12/2103	राहु	08/06/2115	गुरु	21/04/2131	शनि	08/04/2142		00/00/0000
राहु	05/07/2106	गुरु	14/05/2116	शनि	20/06/2134	बुध	13/02/2143		00/00/0000
गुरु	10/10/2108	शनि	23/06/2117	बुध	20/04/2137	केतु	20/06/2143		00/00/0000
शनि	20/06/2111	बुध	20/06/2118	केतु	20/06/2138	शुक्र	20/06/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।